भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 11 सितम्बर, 2025
जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: i) 11 तारीख को बिहार में; 13 तारीख को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 13 और 14 तारीख को अरुणाचल प्रदेश; 12-15 तारीख के दौरान नागालैंड और मणिपुर; 13-15 सितंबर के दौरान असम और मेघालय में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना के साथ पूर्वोत्तर और आसपास के पूर्वी भारत में वर्षा गतिविधि में वृद्धि की संभावना है।
ii) अगले 4-5 दिनों के दौरान प्रायद्वीपीय भारत में भारी वर्षा की संभावना है।
iii) 12-14 सितंबर, 2025 के दौरान महाराष्ट्र में वर्षा गतिविधि में वृद्धि की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 11 सितम्बर, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- बिहार, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- पूर्वी उत्तर प्रदेश, असम और मेघालय, मिजोरम, छत्तीसगढ़, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- औसत समुद्र तल पर मानसून द्रोणिका का पश्चिमी छोर अपने सामान्य से थोड़ा उत्तर की ओर चल रहा है और पूर्वी छोर अपनी लगभग सामान्य स्थिति में है।
- उत्तर-पूर्व अरब सागर और उससे सटे दक्षिण पाकिस्तान पर बना अवदाब लगभग पश्चिम की ओर बढ़ गया और भारतीय समयानुसार सुबह 05:30 बजे उत्तर-पश्चिम अरब सागर और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम पाकिस्तान पर एक सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र में कमजोर हो गया और आज, 11 सितंबर, 2025 को सुबह 08:30 बजे उसी क्षेत्र पर स्थित था। अगले 12 घंटों के दौरान इसके लगभग पश्चिम की ओर बढ़ने और उसी क्षेत्र पर धीरे-धीरे कम दाब क्षेत्र में कमजोर होने की बहुत संभावना है।
- निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों पर उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश से सटे दक्षिण ओडिशा पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है जो ऊँचाई के साथ दक्षिण की ओर झुक रहा है।
- एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम पर और एक अन्य निचले क्षोभमंडल स्तरों पर मध्य असम पर बना हुआ है।
- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम से पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी तक एक द्रोणिका रेखा बनी हुई है।
- मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में हिमाचल प्रदेश और उसके आसपास के क्षेत्रों पर एक पश्चिमी विक्षोभ चक्रवाती परिसंचरण के रूप में स्थित है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पूर्वी भारत:

- 11 से 17 सितंबर तक अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में; 11 से 16 सितंबर तक नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश/तूफान और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- 12 से 15 सितंबर तक नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में; 13 और 14 सितंबर को अरुणाचल प्रदेश में; 13 से 15 सितंबर तक असम और मेघालय में बहुत भारी बारिश की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- पश्चिम मध्य प्रदेश में 15 से 17 सितंबर; पूर्व मध्य प्रदेश में 14 और 15 सितंबर; विदर्भ में 12 से 14 सितंबर; छत्तीसगढ़ में 11 से 13 सितंबर; अंडमान में 11 सितंबर; निकोबार द्वीप समूह में 13 सितंबर; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 11 से 17 सितंबर; बिहार में 11 से 15 सितंबर; झारखंड में 11, 15 और 16 सितंबर; ओडिशा में 11 और 12 सितंबर को कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश/तूफान और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- बिहार में 11 सितंबर और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 13 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- मध्य महाराष्ट्र में 11 से 17 सितंबर; मराठवाड़ा में 11 से 14 सितंबर; कोंकण और गोवा में 13 से 17 सितंबर; गुजरात क्षेत्र में 14 से 16 सितंबर को कुछ/अलग-अलग स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश/तूफान और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- मराठवाड़ा में 12 और 13 सितंबर; कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में 13 और 14 सितंबर को बहुत भारी बारिश की संभावना है।

उत्तर-पश्चिमी भारत:

- पूर्वी उत्तर प्रदेश में 11, 15 और 16 सितंबर; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 12 सितंबर; हिमाचल प्रदेश में 13 और 14 सितंबर; उत्तराखंड में 12 से 16 सितंबर को कुछ/अलग-अलग स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश/तूफान और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- तमिलनाडु में 11 और 12 सितंबर; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 11 से 13 सितंबर; तेलंगाना में 11 से 15 सितंबर; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 11 से 14 सितंबर को कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश/तूफान और तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा) के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में तेज सतही हवाएं (30-40 किमी/घंटा) की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:
मछुआरों को 11 से 16 सितंबर 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में समुद्र में न जाने की सलाह दी जाती है:
अरब सागर: 11 से 13 सितंबर तक सोमालिया तट के साथ और उसके आसपास, पश्चिम-मध्य और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 13 से 16 सितंबर तक सोमालिया तट के साथ और उसके आसपास, पश्चिम-मध्य और दक्षिण-पश्चिम अरब

सागर के कुछ हिस्सों में; 15 सितंबर को कोंकण तट के साथ और उसके आसपास तथा पूर्व-मध्य अरब सागर के निकटवर्ती हिस्सों में न जाएँ।

बंगाल की खाड़ी:

14 सितंबर को तमिलनाडु तट के साथ और उसके आसपास; 14 सितंबर को दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के साथ और उसके आसपास; 11 से 15 सितंबर तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, दक्षिण श्रीलंका तट के साथ और उसके आसपास; 11 से 15 सितंबर तक मन्नार की खाड़ी और निकटवर्ती कोमोरिन क्षेत्र में न जाएँ।

ii. 11 सितम्बर से 14 सितंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **बिहार**: चनपटिया (जिला पश्चिम चंपारण) 16, सिकता (जिला पश्चिम चंपारण) 15, त्रिवेणी/बाल्मीकि नगर (जिला पश्चिम चंपारण) 12, गोपालगंज (जिला गोपालगंज) 10, पिपराही (जिला शियोहर) 8, थावे (जिला गोपालगंज) 8, महेदी/मेहशी (जिला पूर्वी चंपारण) 8, अरेराज (जिला पूर्वी चंपारण) 7;
- **मराठवाड़ा**: किनवट (जिला नांदेड़) 13;
- **तमिलनाडु**: मदुरै शहर (जिला मदुरै) 13, तल्लाकुलम (जिला मदुरै), पंजापट्टी (जिला करूर) 12 प्रत्येक, थुरियूर एआरजी (जिला तिरुचिरापल्ली), कडावुर तालुक कार्यालय एडब्ल्यूएस (जिला करूर) 9 प्रत्येक, पुल्लमबाड़ी (जिला तिरुचिरापल्ली), पुलिपट्टी (जिला मदुरै), पेरियापट्टी (जिला मदुरै), पोनमलई (जिला तिरुचिरापल्ली) 8 प्रत्येक, पेरंबलूर (जिला पेरंबलूर) 7;
- **मध्य महाराष्ट्र:** शोलापुर - आईएमडी वेधशाला (जिला शोलापुर) 12;
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक:** सैदापुर (जिला यादगिर) 12, कमलापुर (जिला कलबुर्गी) 12, कलबुर्गी वेधशाला (जिला कलबुर्गी) 9;
- **तटीय आंध्र प्रदेश**: गुंटूर (जिला गुंटूर) 10, तिरुवुरु (जिला एनटीआर जिला) 8, येलमंचिली (जिला अनकपल्ली) 7;
- **रायलसीमा**: गुदूर (जिला कुरनूल) 10, कनेकल (जिला अनंतपुरमु) 9, उरावकोंडा (जिला अनंतपुरमु) 9, पमिडी (जिला अनंतपुरमु) 9, गूटी (जिला अनंतपुरमु) 9, गुदूर (जिला तिरुपति) 8, राप्ताडु (जिला अनंतपुरमु) 8, राजमपेट (जिला अन्नमय्या जिला) 8, सुल्लुरपेटा (जिला तिरुपति) 7, गुंटकल (जिला अनंतपुरमु) 7, धर्मवरम (जिला श्री सत्यसाई जिला) 7, नंद्याल (जिला नंद्याल) 7, ओव्क (जिला नंद्याल) 7, पिपल्ली (जिला नंद्याल) 7;
- **दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक:** एम एम हिल्स (जिला चामराजनगर) 9;
- **तेलंगाना**: घट्टु (जिला जोगुलंबा गदवाल) 9, तडवई मल्ग (जिला मुलुगु) 9, मुधोल (जिला निर्मल) 8, उत्नूर (जिला आदिलाबाद) 7, गुंडाला (जिला भीम. कोठागुडेम) 7, भीकनूर (जिला कामारेड्डी) 7, सथुपल्ली (जिला खम्मम) 7, चंद्रुगोंडा (जिला भीम. कोठागुडेम) 7, आदिलाबाद (जिला आदिलाबाद) 7;
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: पुंडिबारी (जिला कूच बिहार) 9, बालुरघाट (जिला दक्षिण दिनाजपुर) 7;
- **असम और मेघालय**: बहालपुर (जिला धुबरी) 9, तिकरकिल्ला (जिला पश्चिम गारो हिल्स) 8;
- **छत्तीसगढ़**: बीजापुर (जिला बीजापुर) 8, कटेकल्याण (जिला दंतेवाड़ा) 7;
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: निचलौल (जिला महाराजगंज) 7;
- **मिजोरम**: साईहा_एडब्ल्यूएस (जिला साईहा) 7

अनुलग्नक II

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	**Subdivision**	**11- Sep**	**12- Sep**	**13- Sep**	**14- Sep**	**15- Sep**	**16- Sep**	**17- Sep**
		Day 1	**Day 2**	**Day 3**	**Day 4**	**Day 5**	**Day 6**	**Day 7**
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
8	JHARKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	SCT	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS	FWS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	SCT	SCT	FWS	WS	WS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
25	MARATHWADA	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
29	TELANGANA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	WS	WS	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	ISOL	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	WS	FWS	FWS	SCT	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
35	KERALA AND MAHE	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

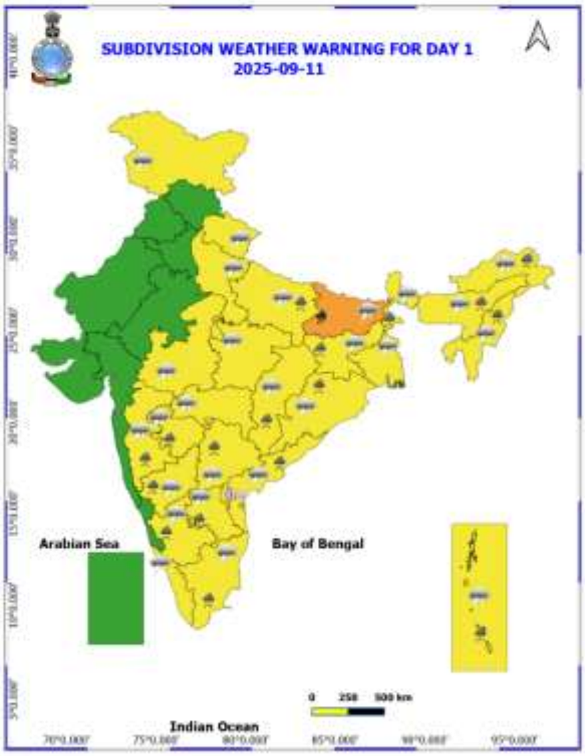
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-09-11
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

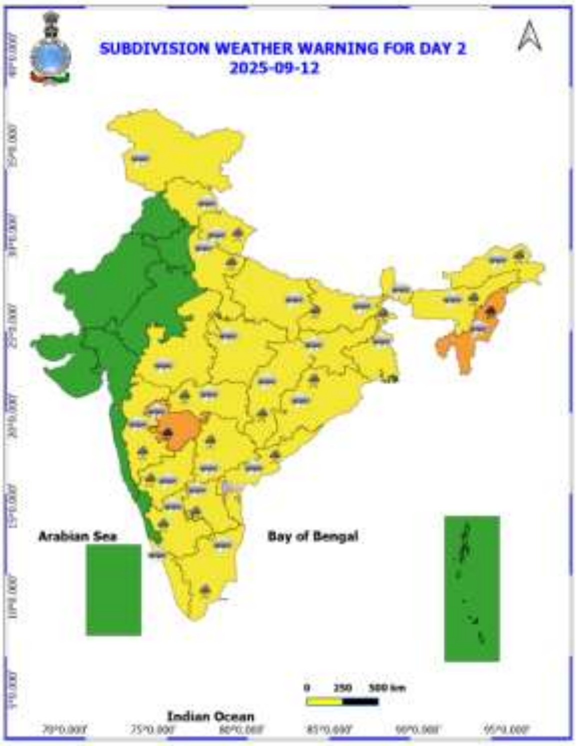
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-09-12
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

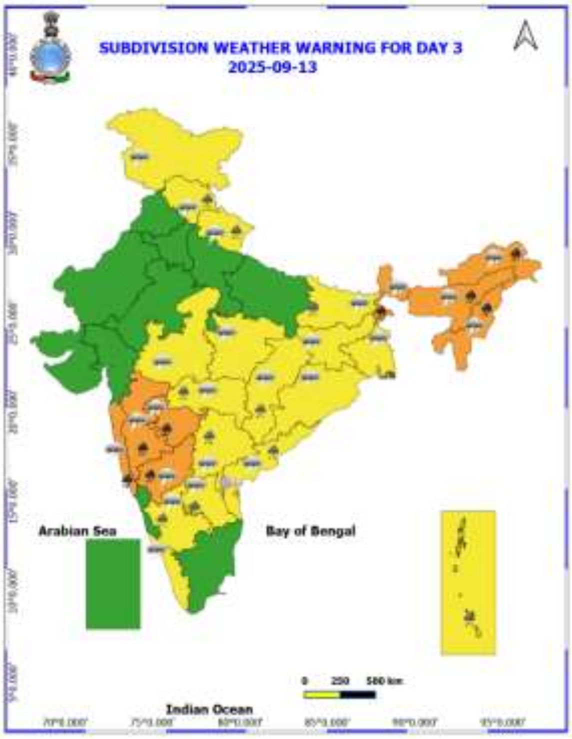
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-09-13
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

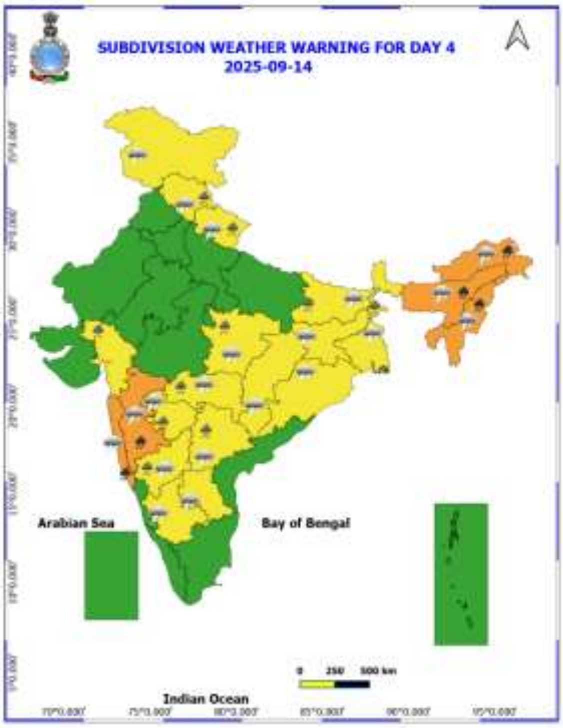

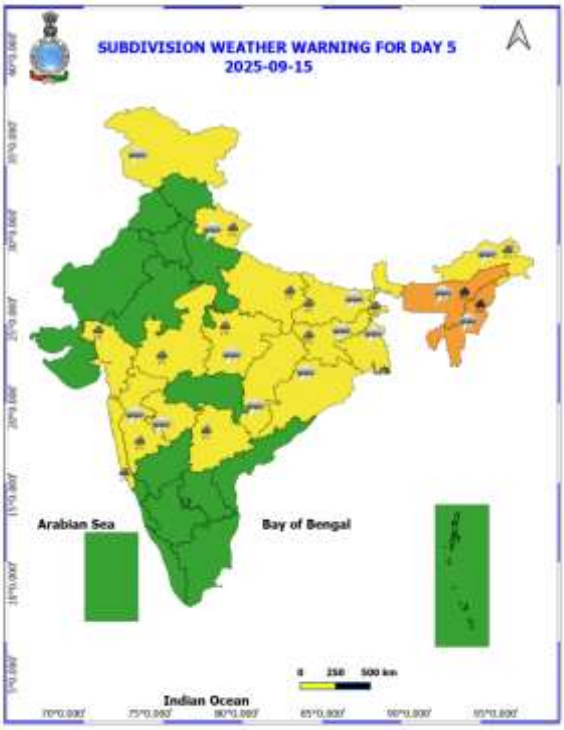

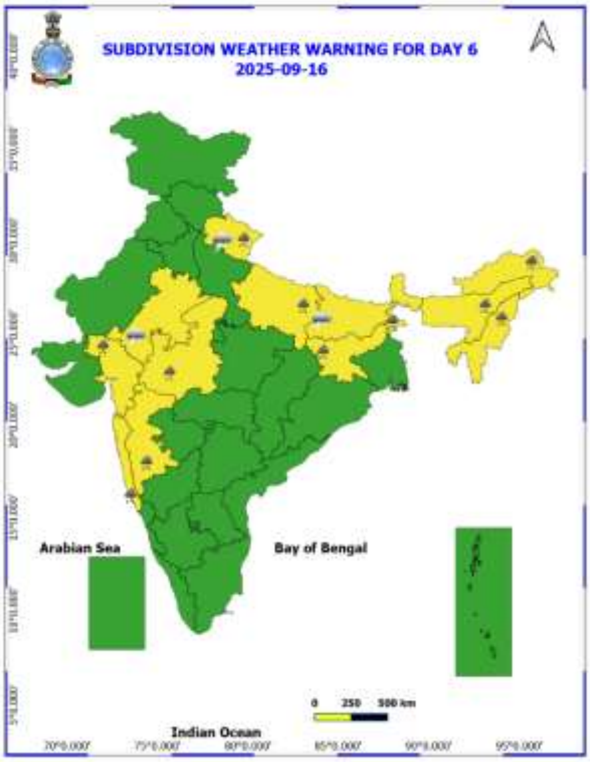

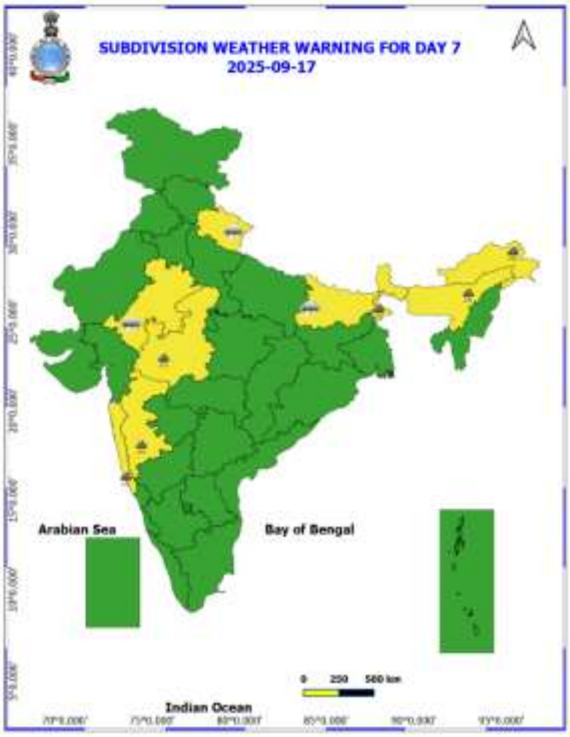

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर में 11 से 14 सितंबर 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। न्यूनतम तापमान 23-25 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 33-34 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहा। दिल्ली में न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब थे। पश्चिमी हवाएँ चलीं, जिनकी गति 19 किमी/घंटा थी और झोंके 39 किमी/घंटा तक पहुँचे। आज सुबह आंशिक रूप से बादल छाए रहे और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20-25 किमी/घंटा की गति वाली हवाएँ चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

11.09.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सतह पर निरंतर हवाएँ 20-30 किमी/घंटा की गति से चलेंगी, जो 40 किमी/घंटा तक के झोंकों के साथ हो सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 0 से 2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहेगा। प्रमुख सतही हवा दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 20-25 किमी/घंटा की गति के साथ चलेगी। यह शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से 10-15 किमी/घंटा तक कम हो जाएगी।

12.09.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सतह पर निरंतर हवाएँ 20-30 किमी/घंटा की गति से चलेंगी, जो 40 किमी/घंटा तक के झोंकों के साथ हो सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहेगा। प्रमुख सतही हवा सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 20-25 किमी/घंटा की गति के साथ चलेगी। यह दोपहर और शाम के समय पश्चिम दिशा से 15-20 किमी/घंटा तक कम हो जाएगी। रात के समय यह और कम होकर पश्चिम दिशा से 10-15 किमी/घंटा तक पहुँचेगी।

13.09.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, तथा सामान्यतः बादल छाए रहेंगे, तथा हल्की वर्षा की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहेगा। प्रमुख सतही हवा सुबह के समय पश्चिम दिशा से 15-20 किमी/घंटा की गति के साथ चलेगी। दोपहर और शाम के समय यह पश्चिम दिशा से 10-15 किमी/घंटा की गति के साथ चलेगी। रात के समय यह और कम होकर पश्चिम दिशा से 05-10 किमी/घंटा तक पहुँचेगी।

14.09.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, तथा सामान्यतः बादल छाए रहेंगे, तथा हल्की वर्षा की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेंगे। प्रमुख सतही हवा सुबह के समय पश्चिम दिशा से 05-10 किमी/घंटा की गति के साथ चलेगी। दोपहर के समय यह उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी/घंटा की गति के साथ चलेगी। यह शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से 05-10 किमी/घंटा तक कम हो जाएगी।

बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 11 तारीख को बिहार में; 12 और 13 को मराठवाड़ा; 12 से 15 सितंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा; 13 को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 13 और 14 को अरुणाचल प्रदेश, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र; 13-15 सितंबर के दौरान असम और मेघालय अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।

- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अरुणाचल प्रदेश में, झूम धान, रागी एवं सोयाबीन की परिपक्व फसलों और केले के पके हुए गुच्छों की तुरंत कटाई करें तथा उपज को उचित ढके हुए स्थान पर स्थानांतरित करें। धान, सोयाबीन, रागी और सब्जियों जैसी खड़ी फसलों में जलजमाव से बचाव हेतु उचित जल निकासी बनाए रखें।
- असम में, पहाड़ी क्षेत्र में साली धान, गन्ना, उड़द और तिल के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। निचले ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र में, साली धान के खेतों तथा सब्जियों की नर्सरी क्यारियों में उचित जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करें। भारी वर्षा से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु नर्सरी क्यारियों को पतली पॉलीथिन से ढक दें। बराक घाटी क्षेत्र में, मूंग और उड़द की बुवाई स्थगित कर दें एवं धान, सब्जियों और पहले से ही बोई गई मूंग तथा उड़द की फसलों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा प्रदान करें।
- मेघालय में, अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों में उचित जल निकासी बनाए रखें। केले के पौधों को गिरने से बचाने हेतु सहारा प्रदान करें। धान के खेतों में रोपाई के बाद 2 से 3 सेंटीमीटर स्थिर जल की परत बनाए रखें।
- नागालैंड में, परिपक्व झूम धान की कटाई तथा तिल एवं नागा किंग मिर्च की फलियों की तुड़ाई करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहीत करें। धान के खेतों में 3 से 5 सेंटीमीटर जलस्तर बनाए रखें।
- मिजोरम में, मक्के के पके हुए भुट्टों की कटाई करें।
- मणिपुर में, मक्के के पके हुए भुट्टे, सोयाबीन और मूंगफली की पकी हुई फलियों तथा रागी के पके हुए दानों की कटाई करें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, तराई क्षेत्र में अमन धान एवं सब्ज़ियों (मिर्च, करेला, परवल, भिंडी, बैंगन आदि) के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- बिहार में, उत्तर-पश्चिम जलोढ़ मैदानी क्षेत्र में मक्का, अरहर और सब्जियों जैसी खड़ी फसलों तथा उत्तर-पूर्व जलोढ़ क्षेत्र में मक्का, बाजरा और सब्जियों जैसी खड़ी फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल की उचित निकासी सुनिश्चित करें।
- उत्तर आंतरिक कर्नाटक में, उत्तर पूर्व शुष्क क्षेत्र में कपास, अरहर, मूंगफली, सूरजमुखी, मूंग और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें।
- महाराष्ट्र में, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में परिपक्व मूंग और उड़द तथा पश्चिमी विदर्भ में परिपक्व मूंग की फ़सल की तुरंत कटाई करें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। मध्य महाराष्ट्र में धान, सोयाबीन, कपास एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से तथा मराठवाड़ा में कपास, अरहर, सोयाबीन, गन्ना एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

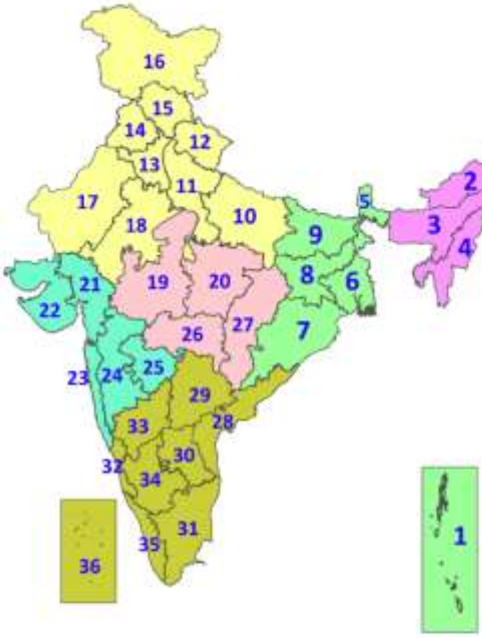

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)